मैया थारो रूप मन भायो जियो हरषायो भजन लिरिक्स

मैया थारो रूप मन भायो,
जियो हरषायो,
कुण म्हारी मैया ने सजायो,
बनड़ी सी लागे म्हारी माँ,
सोणी सोणी लागे म्हारी माँ।bd।

तर्ज – पग पग दीप जलाएं।

सिंदूरी थारो रूप चमके,
कुण्डल काना माहि धमके,
चूड़ा और चुड़ला हाथा में खनके,
सोणो सोणो तिलक लगायो,
और सूरमो घलायो,
कुण म्हारी मैया ने सजायो,
बनड़ी सी लागे म्हारी माँ,
सोणी सोणी लागे म्हारी माँ।bd।

खूब खिल्यो है चुनड़ी को रंग,
मोर मोरिया तारा है संग,
देखे है जो भी रह जावे वो तो दंग,
मोटा मोटा गजरा पहरायो,
छतर लटकायो,
कुण म्हारी मैया ने सजायो,
बनड़ी सी लागे म्हारी माँ,
सोणी सोणी लागे म्हारी माँ।bd।

रजत जड़ित माँ थारो दरबार,
अद्भुत है सज्यो शृंगार,
झुंझनू में गूंजे माँ थारी जय जयकार,
'बिन्नू' जो भी दर्शन पायो,
की दुखड़ो भुलायो,
कुण म्हारी मैया ने सजायो,
बनड़ी सी लागे म्हारी माँ,
सोणी सोणी लागे म्हारी माँ।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मैया थारो रूप मन भायो,
जियो हरषायो,
कुण म्हारी मैया ने सजायो,
बनड़ी सी लागे म्हारी माँ,
सोणी सोणी लागे म्हारी माँ।bd।

स्वर – सौरभ मधुकर।

---

https://youtu.be/gK1B-juyECs

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com